



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 758]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 20, 2005/आषाढ़ 29, 1927

No. 758]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 20, 2005/ASADHA 29, 1927

गृह मंत्रालय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 2005

New Delhi, the 20th July, 2005

का.आ. 1031(अ).—यतः केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि नागालैण्ड राज्य की सम्पूर्ण सीमा के भीतर आने वाले क्षेत्र में ऐसी अशान्त या खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो गई है जिससे वहां नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों का प्रयोग करना आवश्यक है।

S.O. 1031(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that the area comprised within the limits of the whole of the State of Nagaland is in such a disturbed or dangerous condition that the use of armed forces in aid of the civil power is necessary;

अतः, अब, सशस्त्र बल (असम एवं मणिपुर) विशेष शक्तियां (संशोधन) अधिनियम, 1972 (1972 का संख्यांक 7) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, एतद्वारा, उपर्युक्त पूरे राज्य को 20 जुलाई, 2005 से एक वर्ष के लिए अशान्त क्षेत्र घोषित करती है।

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Armed Forces (Assam and Manipur) Special Powers (Amendment) Act, 1972, (No. 7 of 1972) the Central Government hereby declares the whole of the said State to be a disturbed area for a period of one year beyond 20th July, 2005, for the purpose of that Act.

[फा. सं. 7/10/2003-एनई.-I]

[F. No. 7/10/2003-NE.-I]

राजीव अग्रवाल, संयुक्त सचिव

RAJIV AGARWAL, Jt. Secy.